रेड फ्लैग अभ्यास

[स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया]

आठ **भारतीय राफेल लड़ाकू विमान**, दो IL-78 एयर-टू-एयर रिफ्यूलर और तीन C-17 ग्लोबमास्टर-III रणनीतिक एयरलिफ्ट विमान के साथ, अमेरिका के अलास्का में प्रतिष्ठित **बहुराष्ट्रीय** **'रेड फ्लैग' अभ्यास** में भाग लेने के लिये तत्पर हैं।

- दो सप्ताह तक चलने वाले उन्नत हवाई युद्ध प्रशिक्षण अभ्यास, रेड फ्लैग अभ्यास का उद्देश्य बहुराष्ट्रीय वातावरण में**वायुसैनिकों को एकीकृत** करना है, जिसमें 1 से 14 जून, 2024 तक चार देशों के 100 से अधिक विमान और लगभग 3,100 कार्मिक भाग लेंगे।
- **भारतीय वायु सेना ने रेड फ्लैग अभ्यास में दो बार भाग लिया,** जिसे सबसे **यथार्थवादी वायु युद्ध प्रशिक्षण** के रूप में जाना जाता है, जहाँ लड़ाकू पायलट कई लक्ष्यों, वास्तविक खतरों और विरोधी शक्तियों के विरुद्ध कौशल को निखारते हैं।
- अन्य युद्ध अभ्यास जिनमें भारतीय वायुसेना नियमित रूप से भाग लेती है:

वायु युद्ध अभ्यास	**स्थान**
इनिओचोस (Iniochos)	यूनान (Greece)
ओरियन	फ्राँस
ब्लू फ्लैग	इज़रायल
पिच ब्लैक	ऑस्ट्रेलिया
डेज़र्ट फ्लैग	संयुक्त अरब अमीरात

और पढ़ें: **अमेरिका ने रेड फ्लैग रद्द किया**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/exercise-red-flag